नाम ..... अनुक्रमांक .....

अर्द्ध–वार्षिक परीक्षा, 2022-23

A/10,000

हिन्दी

कक्षा–12

समय : 3 घण्टा 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश – (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड (क)

1. निम्नलिखित के विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) इनमें से कौन नाटक नहीं है? 1

(i) राजमुकुट (ii) गरुड़ध्वज

(iii) अपना-अपना भाग्य (iv) आन का मान

(ख) 'रागदरबारी' किस विधा की रचना है? 1

(i) नाटक (ii) आत्मकथा (iii) उपन्यास (iv) जीवनी

(ग) हिन्दी बोलियों में से राष्ट्रभाषा बनी– 1

(i) ब्रजभाषा (ii) बुन्देली (iii) खड़ीबोली (iv) अवधी

(घ) 'सदल मिश्र' की रचना है– 1

(i) भारत दुर्दशा (ii) नासिकेतोपाख्यान

(iii) बैताल पचीसी (iv) सुख सागर

(ङ) अंग्रेजी के 'स्केच' का रूपान्तरण है– 1

(i) जीवनी (ii) भेंटवार्ता (iii) रेखाचित्र (iv) रिपोर्ताज

2. निम्नलिखित के विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) कौन-सा कवि अष्टछाप का नहीं है? 1

(i) नन्ददास (ii) सूरदास (iii) छीतस्वामी (iv) भिखारीदास

(ख) रीतिकाल से सम्बन्धित रचना है– 1

(i) पद्मावत (ii) आखिरी चट्टान (iii) बिहारी सतसई (iv) सूरसागर

(ग) 'कठिन काव्य का प्रेत' कहे जाते हैं– 1

(i) भूषण (ii) घनानन्द (iii) केशव (iv) जायसी

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है– 1

(i) लोकायतन (ii) परिमल (iii) भारत-भारती (iv) परिवर्तन

(ङ) 'कामायनी' की विधा है– 1

(i) महाकाव्य (ii) नाटक (iii) उपन्यास (iv) कहानी

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2 × 5 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है, सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है, जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब

modelpaper.info

तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्पादन के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

(क) जन का प्रवाह किस तरह होता है?
(ख) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) सूर्य की रश्मियों का क्या प्रभाव पड़ता है?
(ङ) 'घाटों का निर्माण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दु:ख भगवान का वरदान है। यह और किसी औषध से गलता नहीं, दु:ख ही भगवान का अमृत है। वह क्षण सचमुच ही भाग्योदय का हो जाता है, अगर हम उसमें भगवान की कृपा को पहचान लें। उस क्षण यह सरल होता है कि हम अपने से जुड़े और भाग्य के सम्मुख हों। बस इस सम्मुखता की देर है कि भाग्योदय हुआ रखा है। असल में उदय उसका क्या होना है, उसका आलोक तो कण-कण में व्याप्त सदा-सर्वदा है ही। उस आलोक के प्रति खुलना हमारी आँखों का हो जाये बस उसी प्रतीक्षा है।

(i) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक की दृष्टि में कौन-सा क्षण भाग्योदय का हो जाता है?
(iv) अपने से जुड़ना और भाग्य के सम्मुख होना कब हमारे लिए सरल होता है?
(v) लेखक को किस बात की प्रतीक्षा है और क्यों?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन हैं हमहूँ पहचानती हैं।
पै बिना नंदलाल बिहाल सदा 'हरिचन्द' न ज्ञानहिं ठानती है।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछु नहिं जानती हैं।
पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अँखियाँ दुखियाँ नहिं मानती हैं।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) गोपियों के पास योग सन्देश कौन लेकर गया?
(iv) गोपियाँ किसके वियोग में दु:खी रहती हैं और उन्हें क्या अच्छा नहीं लगता?
(v) गोपियाँ उद्धव से श्रीकृष्ण के पास जाकर क्या कहने के लिए कह रही हैं?

अथवा

कृपानिधान सुजान संभु हिय की गति जानी।
दियौ सीस पर ठाम बाम करिकै मनमानी॥
सकुचति ऐंचति अंग गंग सुख संग लजानी।
जटाजूट हिम कूट सघन घन सिमटि समानी॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) प्रस्तुत पंक्तियों में गंगा और शिवजी का किस रूप में वर्णन किया है?

modelpaper.info

(iv) कवि के अनुसार दया के भण्डार शिवजी ने किसे पहचान लिया?

(v) शिवजी ने गंगा को अपने शरीर पर किस रूप में स्थान दिया?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) जैनेन्द्र कुमार

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी रचनाएँ लिखिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) जगन्नाथदास रत्नाकर

(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध

6. 'खून का रिश्ता' अथवा पंचलाइट कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के प्रमुख पात्र 'गोधन' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' का सारांश लिखिए।

खण्ड (ख)

8. (क) दिए गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

ततः कदाचित् द्वारपाल आगत्य महाराजं भोजं प्राह-देव, कौपीनावशेषे विद्वान द्वारि वर्तते इति। राजा 'प्रवेशय' इति प्राह। ततः प्रविष्टः सः कविः भोजमालोक्य अहा में दारिद्र्यनाशो भविष्यतीति मत्वा तुष्टो हर्षाश्रूणि मुमोच। राजातमालोक्य प्राह—'कवे, किं रोदिषि' इति।

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशय ग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत्। ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्' अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति। अनने हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्त कटा हे प्रक्षिप्तास्तिला इव तत्र तत्रैव धङ्क्ष्यामः। ईदृशो राजा महां न न रोचते इत्याह—

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम्।
आसीन्महीक्षितामाद्यः प्रणवरछन्दसामिव॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं षः उलू कस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए— 2+2=4

(क) भोजः कविं किम् अपृच्छत्?

(ख) संस्कृत साहित्यस्य का विशेषता अस्ति?

(ग) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्?

(घ) वित्तेन कस्य आशा न अस्ति?

modelpaper.info

10. (क) 'शृंगार रस' अथवा 'वीभत्स रस' का स्थायीभाव के साथ उदाहरण लिखिए। 2

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'सन्देह' अलंकार का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी लिखिए। 2

(ग) 'सोरठ' अथवा 'कुण्डलिया' का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए— 2+7=9

1. भारतीय युवा की दशा
2. मेरा प्रिय खेल
3. साहित्य और समाज
4. विद्यार्थी जीवन के आनन्द
5. परोपकार का महत्व

12. (क) (i) 'दोग्धा' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) दो + ग्धा (ब) दोग् + धा
(स) दोघ् + धा (द) दोग्ध + आ

(ii) 'कवीन्द्रः' का सन्धि विच्छेद है— 1

(अ) क + वीन्द्रः (ब) कवी + इन्द्रः
(स) कवि + इन्द्रः (द) कव + इन्द्रः

(iii) 'लब्धः' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) ल + ब्धः (ब) लब + धः
(स) लभ् + ब्धः (द) लभ् + धः

(ख) (i) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— 2

(अ) कृष्णसर्प (ब) प्रभाशाली (स) जगदीश्वर

13. (क) (i) सरिता रूप है 'सरित्' का— 1

(अ) प्रथमा एकवचन (ब) द्वितीया बहुवचन
(स) तृतीया एकवचन (द) चतुर्थी बहुवचन

(ii) नामन् शब्द के पंचमी विभक्ति द्विवचन का रूप लिखिए। 1

(ख) (i) 'कृ' धातु विधिलिङ्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन का रूप होगा— 1

(अ) कुरुष (ब) कुरुत
(स) कुर्याति (द) कुर्याम्

(ii) 'स्था' धातु के लृट्लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन का रूप है— 1

(अ) स्थास्यथः (ब) स्थास्यतः
(स) तिष्ठथः (द) तिष्ठताम्

(ग) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए— 1

(अ) दृष्टः (ब) गत्वा (स) दत्वा

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए— 1

(अ) रूपवान (ब) हसनीयः (स) महत्व

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए— 1+1=2

(i) कृष्णं पण्डितः गुरवः सन्ति। (ii) रमेशः पादेन खञ्जः।
(iii) रामाय नमः।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 2+2=4

1. तुम स्कूल जाओ।
2. हम जा रहे हैं।
3. कृत्तिका एक मेधावी छात्रा है।
4. मैं कल दिल्ली जाऊँगा।

modelpaper.info